By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-4

Topic – Nature, scope and significance of Political Theory.

Class – B.A. Degree – I (Hons, P-1)

Subject – Political science

Date – 21Dec.,2020

By Rahul Kumar Jha.

राजनीतिक सिद्धांत के प्रकृति, क्षेत्र और महत्व :-

राजनीतिक सिद्धांत और राजनीतिक विज्ञान:- एक विषय के रूप में राजनीतिक विज्ञान अपेक्षाकृत एक व्यापक विषय है जिसमें राजनीतिक चिंतन, सिद्धांत, क्रियाव्यवहार, संस्थायें, तुलनात्मक राजनीति, लोक प्रशासन, अंतर्राष्ट्रीय कानून सभी का समावेश किया जा सकता है। राजनीतिक विज्ञान का एक स्वतंत्र विषय के रूप में स्थापित हो जाने के बाद राजनीतिक सिद्धांत उसका एक भाग बन गये। परंतु यदि हम राजनीतिक विज्ञान में प्रयुक्त 'विज्ञान' शब्द को 'सिद्धांतों' से अंतर करने के संदर्भ में प्रयोग

करते है तो हम राजनीति की इस व्याख्या की बात करते जो अपने अध्ययन में 'वैज्ञानिक पद्धति' का प्रयोग करती है और उस दार्शनिक पद्धति से भिन्न है जो अपनी आत्मा की आवाज सुनने के लिए स्वतंत्र है। एक लेखक के अनुसार, वे राजनीतिक सिद्धांत जो दर्शनशास्त्र का विरोध करते है, राजनीतिक विज्ञान है।

राजनीतिक सिद्धांतों में दर्शन और विज्ञान का सम्मिश्रण होता है। विज्ञान का संबंध वास्तविक राजनीतिक व्यवहार, व्यवहारिक प्रमाणों के आधार, शक्ति और राजनीतिक संस्थाओं के बारे में सामान्य निष्कर्ष तथा समाज में शक्ति की भूमिका आदि विषयों की व्याख्या और उनका वर्णन आदि से है।

इससे विपरीत, राजनीतिक सिद्धांतों का संबंध केवल व्यवहारिक पक्ष से ही

नहीं बल्कि उन उद्देश्यों का निर्धारण करने से भी है जो राज्य, सरकार तथा समाज के राजनीतिक जीवन में व्यक्ति के उचित व्यवहार तथा शक्ति के न्यायोचित प्रयोग के लिए अपनाने चाहिए। संक्षेप में, राजनीतिक सिद्धांत न तो शुद्ध चिंतन है और न ही दर्शन अथवा विज्ञान। अपने अध्ययन को परिष्कृत करने के लिए ये इन सबको सम्मिलित लेते हैं परंतु फिर भी ये सबसे भिन्न हैं। समकालीन राजनीतिक सिद्धांत दर्शन और विज्ञान में समन्वय करने का प्रयत्न कर रहे हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि राजनीतिक सिद्धांतों का संबंध राजनीतिक संस्थाओं की व्याख्या और मूल्यांकन से है और इनका अध्ययन विचारों तथा आदर्शों के विवरण के रूप में, सामाजिक तथा आर्थिक परिवर्तन के साधन के रूप में, अथवा विचारधारा के रूप में किया जा सकता है।

CHAPTER CONTINUES....